परिष्कृत भारत

नया गंतव्य

कुरुक्षेत्र

आवरण : ध्वनि व प्रकाश प्रदर्शन, ज्योतिसर

1. *ब्रह्म सरोवर की पृष्ठभूमि में पुनःविकसित उद्यान*
2. *ब्रह्म सरोवर का एक दृश्य*
3. *ब्रह्म सरोवर का प्रकाशमय दृश्य*

1

कुरुक्षेत्र का पुनरुद्धार

भूमिका

हाल ही में हुए कुरुक्षेत्र के पुनरुद्धार से सर्जनात्मक अभिशासन और सुरुचिपूर्ण पर्यटन-संवर्धन का एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत हुआ है और साथ ही भारत की भव्य विरासत उजागर हुई है। मैंने इसका पुनरुद्धार अपनी इस धारणा को मूर्त रूप देने के लिए आरम्भ करवाया था कि सामान्य रूप से विश्व के लोग और विशेषकर भारत की वर्तमान पीढ़ी यह जान सके कि एक समय में भारतवर्ष में ज्ञान के क्षेत्र में कितने तेजस्वी और प्रबुद्ध महापुरुष हुए थे। कुरुक्षेत्र को प्राथमिकता इसलिए दी गई क्योंकि यही वह स्थान था जहां महाभारत का युद्ध लड़ा गया, बुराई पर अच्छाई की जीत हुई तथा गीता का महान संदेश दिया गया।

टी.एस. ईलियट ने गीता को सर्वाधिक गहन दार्शनिक कविताओं में से एक माना है। यह मात्र एक उपदेश नहीं है जिसे श्रीकृष्ण ने संतप्त अर्जुन को दिया था जिसने युद्ध के मैदान में सामने खड़े अपने रिश्तेदारों एवं गुरुओं को देखकर युद्ध करने से मना कर दिया था। वास्तव में यह सम्पूर्ण मानव जाति के लिए संदेश है। यह ब्रह्माण्ड में मनुष्य के अस्तित्व पर एक दृष्टि तथा फल की इच्छा के बिना कर्म करने का जीवन-दर्शन प्रस्तुत करती है। यह जीवन-दर्शन समसामयिक विश्व के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है क्योंकि आज अत्यधिक समृद्धि और ज्ञान की प्रगति के बावजूद भी भारी तनाव और विकार हैं।

कुरुक्षेत्र आधुनिक विश्व का प्रतीक है, अर्जुन आधुनिक मानव का तथा श्रीकृष्ण महान उपदेशक का, जो सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड को दृष्टि में रखकर मानव अस्तित्व पर आए संकट का हल प्रस्तुत करते हैं और हमें असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर तथा मृत्यु से मोक्ष की ओर ले जाना चाहते हैं।

वर्षों तक समय की रेत और इतिहास की आंधी से कुरुक्षेत्र की बौद्धिक एवं सांस्कृतिक विरासत दब कर रह गई थी। हाल ही में इस सांस्कृतिक विरासत के सभी 'रत्नों' का

पुनरुद्धार किया गया तथा उन्हें नवीन उन्नत वातावरण में पुनर्व्यवस्थित किया गया।

अब आपको यहां कुरुक्षेत्र में कलात्मक रूप से तैयार किए गए ध्वनि व प्रकाश प्रदर्शन के माध्यम से गीता का शाश्वत संदेश प्राप्त होगा। इसकी उत्कर्षता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी, अनुराग और करुणा भाव से आप प्रभावित हो जाएंगे और यह आपको मानव अस्तित्व संबंधी ज्ञान की ऊंचाई प्रदान करेगी। यहां आपको मनोरम संग्रहालय, परिदृश्य, खुदाई-स्थल तथा हमारी विशाल एवं विविधतापूर्ण विरासत के अन्य अनेक रूप देखने को मिलेंगे। अतीत की पौराणिक कथाओं और परम्पराओं तथा वर्तमान की नई संकल्पनाओं से विकसित हरे-भरे उद्यानों का आकर्षण आपको बरबस अपनी ओर खींच लेगा और आपको बार-बार कुरुक्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि कुरुक्षेत्र यात्रा के बाद आप शारीरिक रूप से तरोताज़ा, मानसिक रूप से स्फूर्तिवान, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध एवं आध्यात्मिक रूप से उन्नत महसूस करेंगे।

यह पुस्तिका आपके समक्ष यहां के पवित्र स्थलों एवं पर्यटक रुचि के अन्य स्थलों का विवरण उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ प्रस्तुत करती है। इसमें उपलब्ध सुविधाओं का ब्यौरा भी शामिल किया गया है। इस सम्बन्ध में मैं राज्य सरकार, विशेषकर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला, कुरुक्षेत्र के उपायुक्त श्री अभिलक्ष लिखी एवं कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा प्रदत्त सहयोग एवं सहायता के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। केन्द्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्रालय के सभी अधिकारियों एवं एजेंसियों को भी मैं धन्यवाद देता हूं, जिनके अथक प्रयासों से यह "पुनरुद्धार परियोजना" सफल हो सकी है।

जगमोहन

जगमोहन

संस्कृति व पर्यटन मंत्री

2

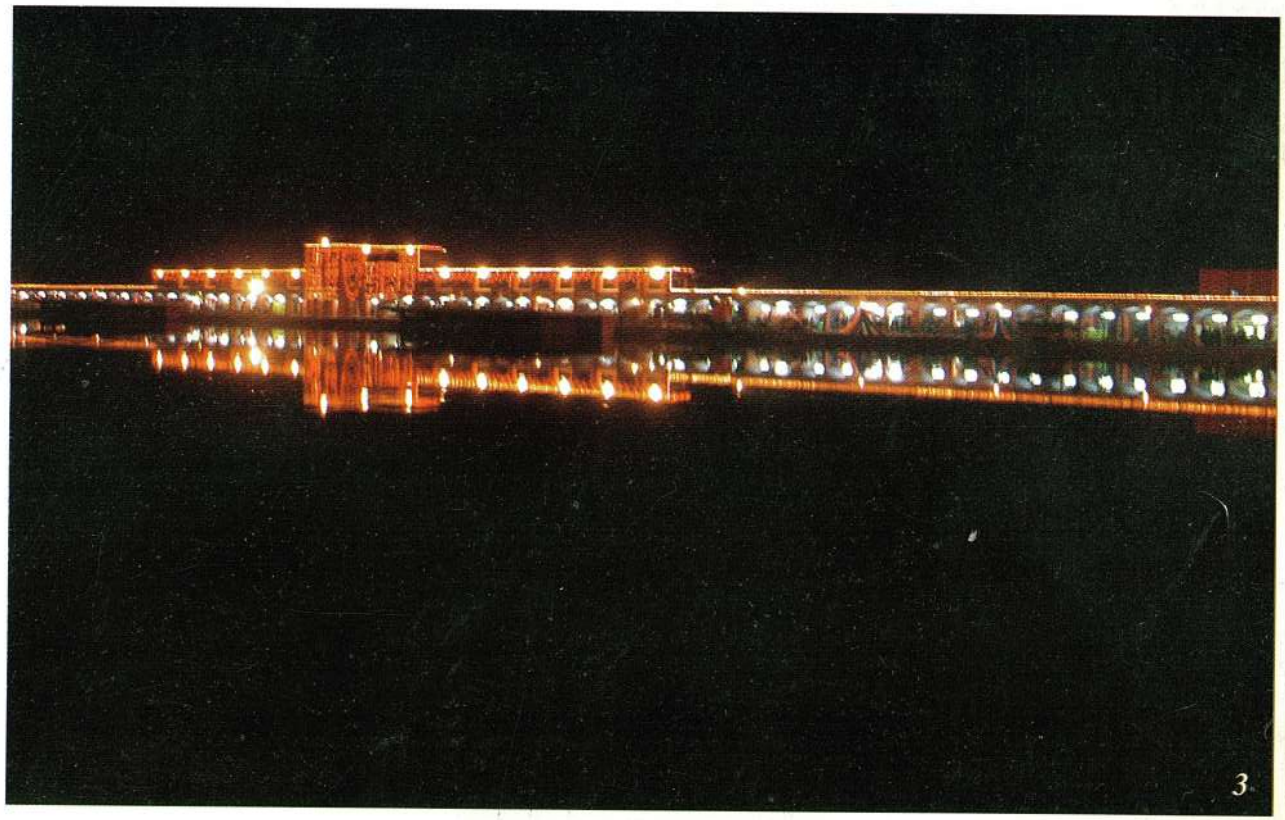

3

1

कुरुक्षेत्र - पुनर्जीवन

उद्गम

कुरुक्षेत्र का नामकरण एक महान राजा कुरु के नाम पर हुआ है, जो अपने राजपाट का त्याग करके तीर्थयात्रा पर निकल पड़े थे। वे पवित्र नदी सरस्वती के किनारे पर आए और उन्होंने सदाचार कार्यों के अनुशीलन के लिए वहीं पर एक स्थान का चुनाव किया। भगवान विष्णु प्रकट हुए और उन्होंने कुरु से पूछा कि वे बीज कहां से लाएंगे। कुरु ने एक-एक करके अपने अंगों को सौंपना शुरू कर दिया। भगवान विष्णु ने उनको काट-काट कर पूरे मैदान में फैला दिया। कुरु के उदात्त कार्यों से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने घोषणा की कि यह सर्वाधिक पवित्र स्थान होगा तथा इसका नाम धर्मक्षेत्र - कुरुक्षेत्र रखा। यह विश्वास किया जाता है कि इस पवित्र स्थान की यात्रा करना और इसके पवित्र कुंड में स्नान

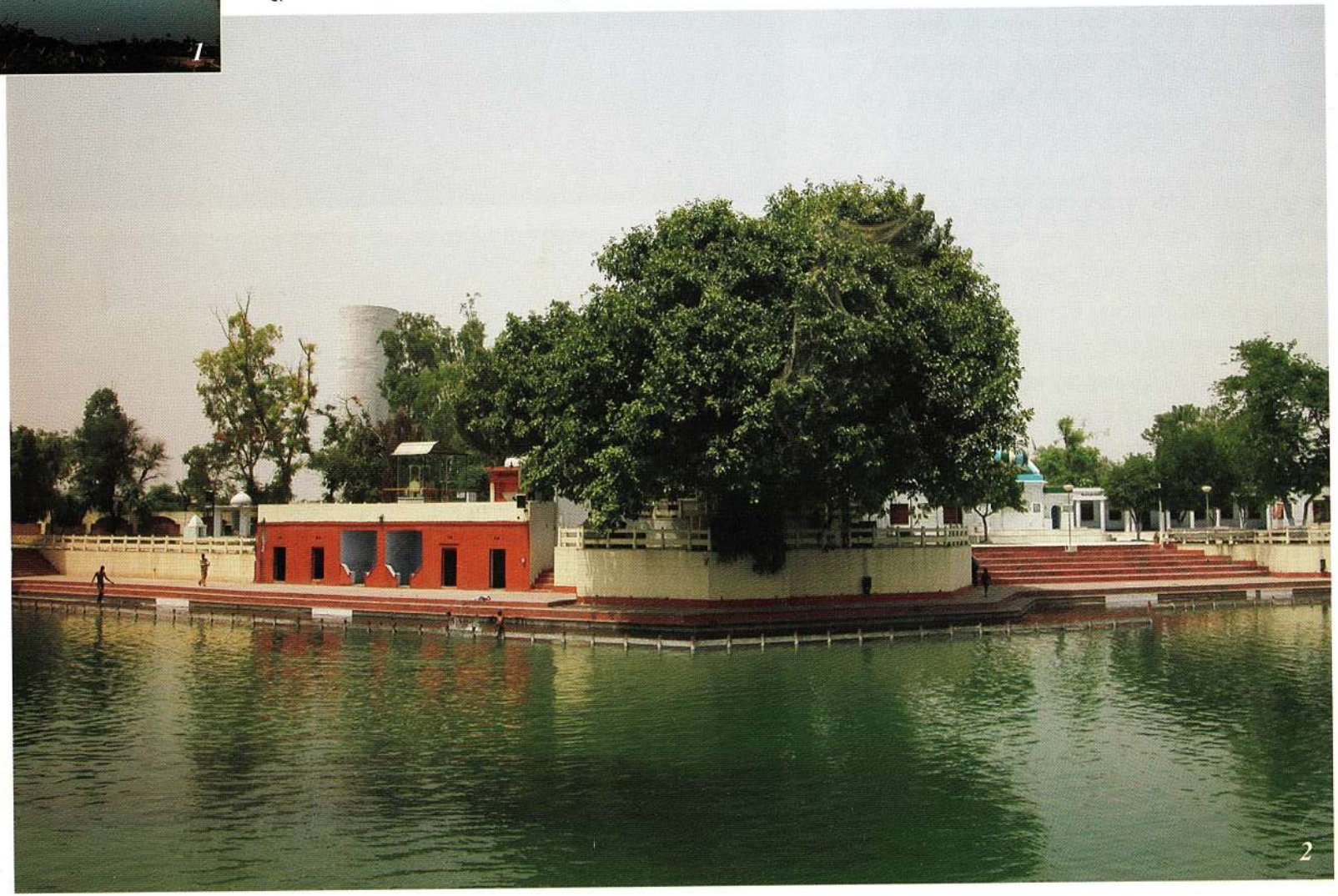

करना एक पुण्य कार्य है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले सभी पाप धुल जाते हैं।

पवित्रता

कुरुक्षेत्र की पवित्रता महाभारत का युद्ध-स्थल होने के नाते भी है। कौरव और पाण्डव, जो राजा कुरु के वंशज और राज-परिवार के सदस्य थे, परस्पर चचेरे भाई थे। कौरवों ने पाण्डवों के साथ धोखा किया, उनकी रानी द्रौपदी का अपमान किया और उनकी छोटी-सी मांग को भी मानने से इंकार कर दिया। दोनों के बीच युद्ध ठन गया। दुर्योधन के नेतृत्व में बुराई की सेना तथा युधिष्ठिर एवं अर्जुन के नेतृत्व में अच्छाई की सेना के बीच युद्ध हुआ। श्रीकृष्ण ने ब्रह्म शक्ति का प्रतिनिधित्व किया और अर्जुन के मार्गदर्शक बने तथा उसके सारथी के रूप में कार्य किया।

ज्योतिसर

यह महाभारत के युद्ध-क्षेत्र का वह स्थल है, जहां से श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना उपदेश दिया। यह स्थान उपेक्षित पड़ा था। अब इसे साफ-सुथरा बनाया गया है और यहां सुंदर भू-दृश्य विकसित किया गया है। यहां ध्वनि व प्रकाश प्रदर्शन की स्थापना भी की गई है, जिसमें श्रीकृष्ण अपना विराट रूप दिखाते हैं और अर्जुन को कहते हैं कि "मेरे अनेक रूप देखो, मेरे अंदर पूरा ब्रह्माण्ड देखो, मूर्त और अमूर्त सभी एकरूप हो कर मेरे शरीर में समाए हैं किंतु तुम्हें अपनी आंखों से मैं दिखाई नहीं दूंगा, मैं तुम्हें दिव्य-चक्षु प्रदान करता हूं, मेरा अलौकिक रूप देखो।"

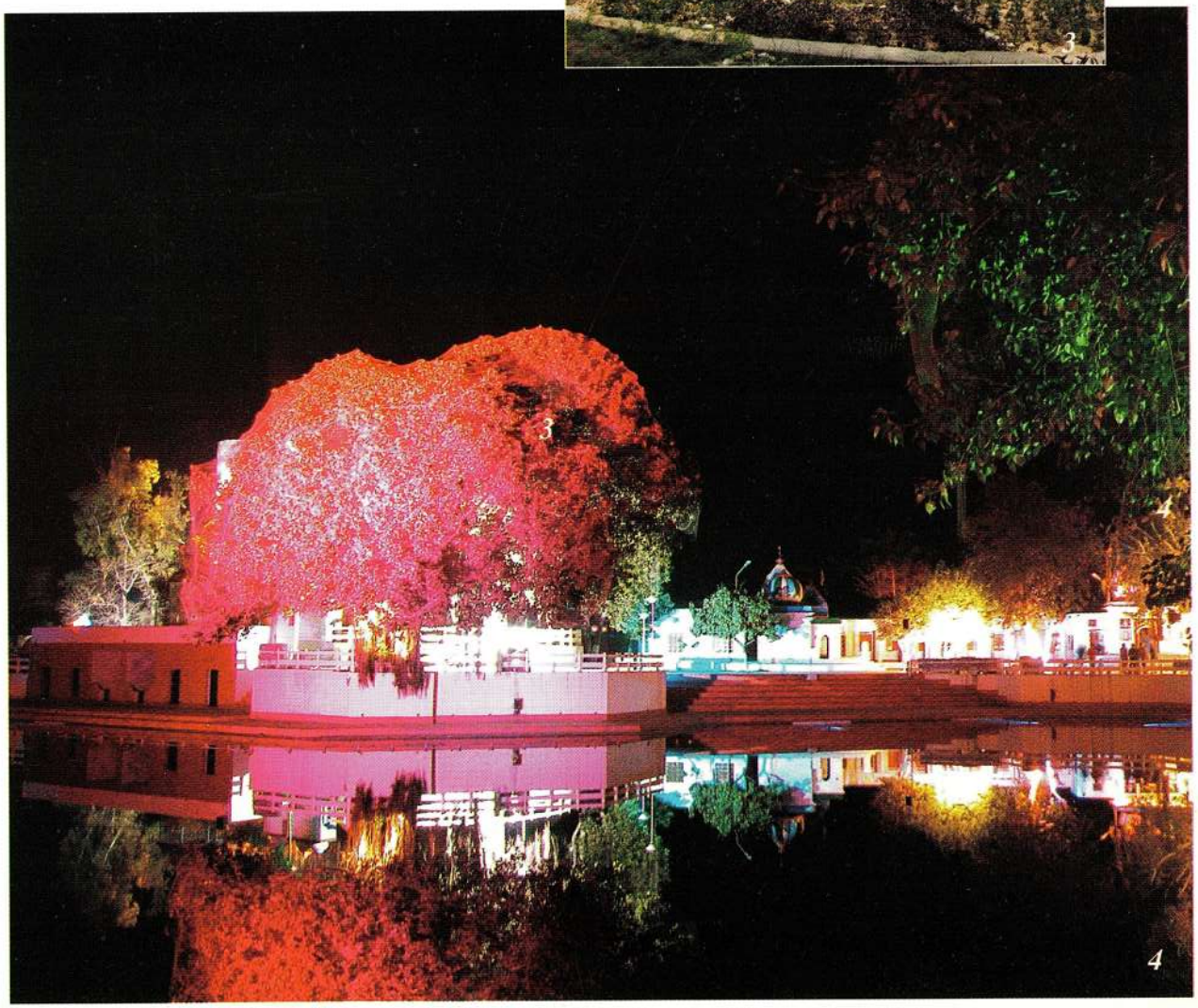

1. *ज्योतिसर 'तब'*
2. *ज्योतिसर 'अब'*
3. *ज्योतिसर परिसर में हाल ही में विकसित उद्यान*
4. *ध्वनि व प्रकाश प्रदर्शन, ज्योतिसर*

1

ब्रह्म सरोवर

यह 1800 फुट लम्बा तथा 1400 फुट चौड़ा विशाल जलकुंड है। तीर्थयात्री इसके किनारे प्रार्थना करते हैं तथा कुंड में स्नान करके पवित्र हो जाते हैं। वर्ष भर यह साफ जल से भरा रहता है। यह सुन्दर घाट एवं सीढ़ियों से सुसज्जित है। रात्रि में यह कुंड नई प्रकाश-व्यवस्था से जगमगा उठता है।

सन्निहित सरोवर

यह दूसरा पवित्र कुंड है जो दयनीय स्थिति में था और जिसे अब साफ एवं स्वच्छ जल-कुंड के रूप में विकसित किया गया है। यह कुंड भी रात्रि में प्रकाश से जगमगा उठता है।

1. *रात्रि में जगमगाता ब्रह्म सरोवर*
2. *ब्रह्म सरोवर में एकत्रित भक्तजन*
3. *सन्निहित सरोवर - पहले की दयनीय स्थिति*
4. *सन्निहित सरोवर - अब एक सुहावना दृश्य*

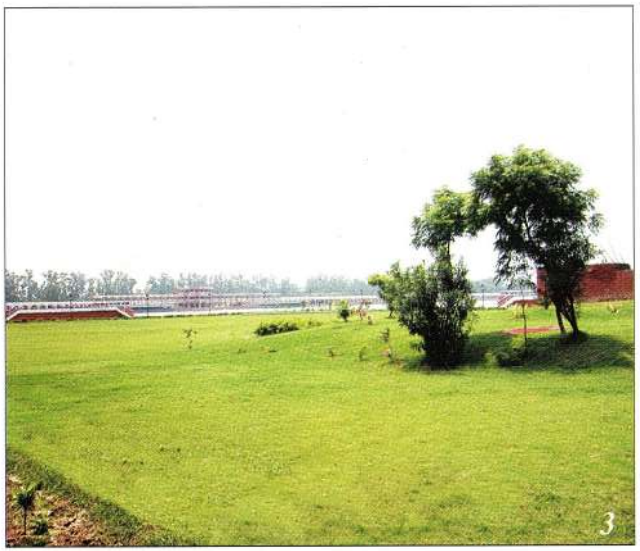

उद्यान

शांति, सुख और प्रकृति से सम्पर्क स्थापित करने की भारतीय परम्परा के अनुसार उद्यानों की एक श्रृंखला विकसित की गई है, और ये उद्यान चारों ओर से आध्यामिकता के रंग में सराबोर है। इनमें शामिल हैं - पुरुषोत्तम उद्यान, हर्ष-वर्धन उद्यान एवं तपोवन उद्यान, जिनमें पहले शहर का कूड़ा-करकट पड़ा रहता था।

थानेश्वर

कुरुक्षेत्र से समीप दूसरा प्राचीन शहर थानेश्वर है। यह हर्ष-वर्धन के महान साम्राज्य की राजधानी था (606-647 ईसवी)। उनके द्वारा निर्मित विशाल किला, जिसका प्रसिद्ध चीनी यात्री ने भव्य विवरण किया है, अतिक्रमण का शिकार था। अब इन अतिक्रमणों को हटा दिया गया है तथा इस किले के पुराने गौरव को पुनः स्थापित किया गया है।

1. *पुरुषोत्तम उद्यान*
2. *तपोवन उद्यान*
3. *पुरुषोत्तम उद्यान का एक अन्य दृश्य*
4. *हर्ष-वर्धन उद्यान*
5. *हर्ष-वर्धन उद्यान का एक अन्य दृश्य*
6. *थानेश्वर 'तब'*
7. *थानेश्वर 'अब'*

4

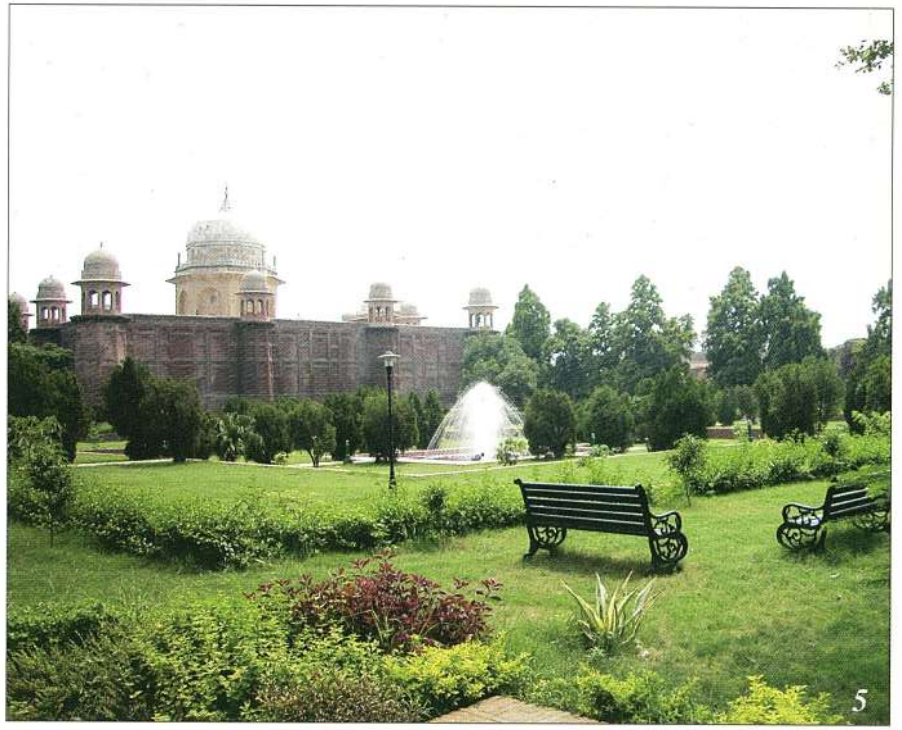

5

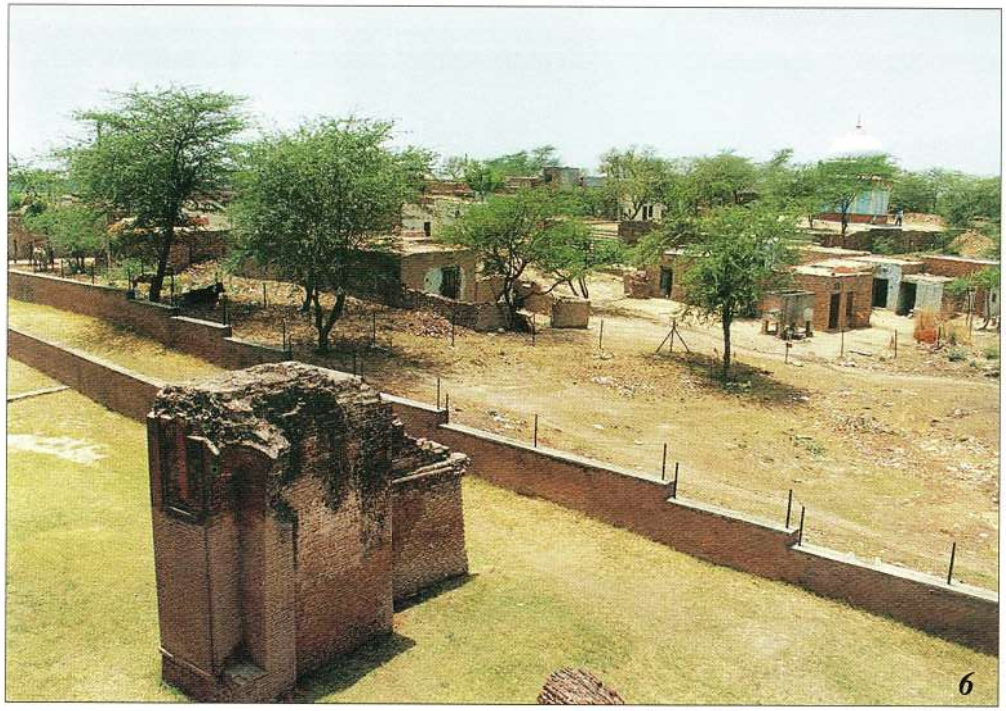

6

7

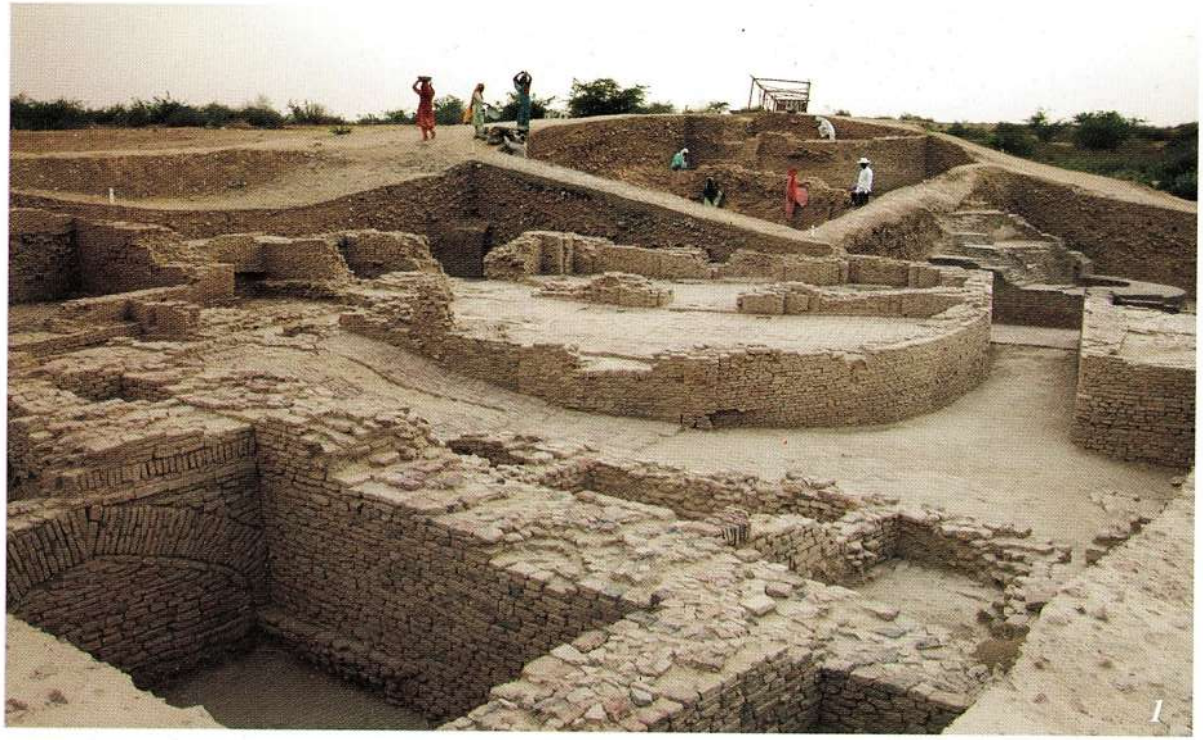

1

2

3

4

हर्ष का टीला

किला परिसर के पास एक प्रभावशाली टीला है जोकि हर्ष के टीले के नाम से जाना जाता है। यहां हाल ही में हुए खुदाई कार्य से प्राचीन काल से मुगल काल के उत्तरार्ध तक के भारतीय इतिहास के अनेक गढ़े तथ्य सामने आए हैं। कुछ जैन एवं ब्राह्मणीय मूर्तियां तथा वास्तुशिल्पीय खंड मिले हैं।

राजा करण का टीला

यह एक अन्य टीला है, जिसकी खुदाई से अत्याधिक ऐतिहासिक महत्व की वस्तुएं प्राप्त हुई हैं। इनमें हड़प्पाकालीन अवशेष, पेंटिड ग्रे-वेयर, कपड़े की छपाई का सांचा, डबल इंकपॉट तथा एक बड़ा सीढ़ीनुमा कुंड शामिल हैं।

शेख चेहली मकबरा

यह मध्यकालीन सुन्दर स्मारक है। यहां प्रसिद्ध सूफी संत शेख चेहली को दफनाया गया था। मुगल बादशाह शाहजहां के पुत्र और भारतीय इतिहास के एक दुर्भाग्यपूर्ण व्यक्ति दारा-शिकोह के भी वे सहयोगी थे। शेरशाह सूरी के समय की सराय के साथ-साथ इस मकबरे का भी पुनरुद्धार किया गया है।

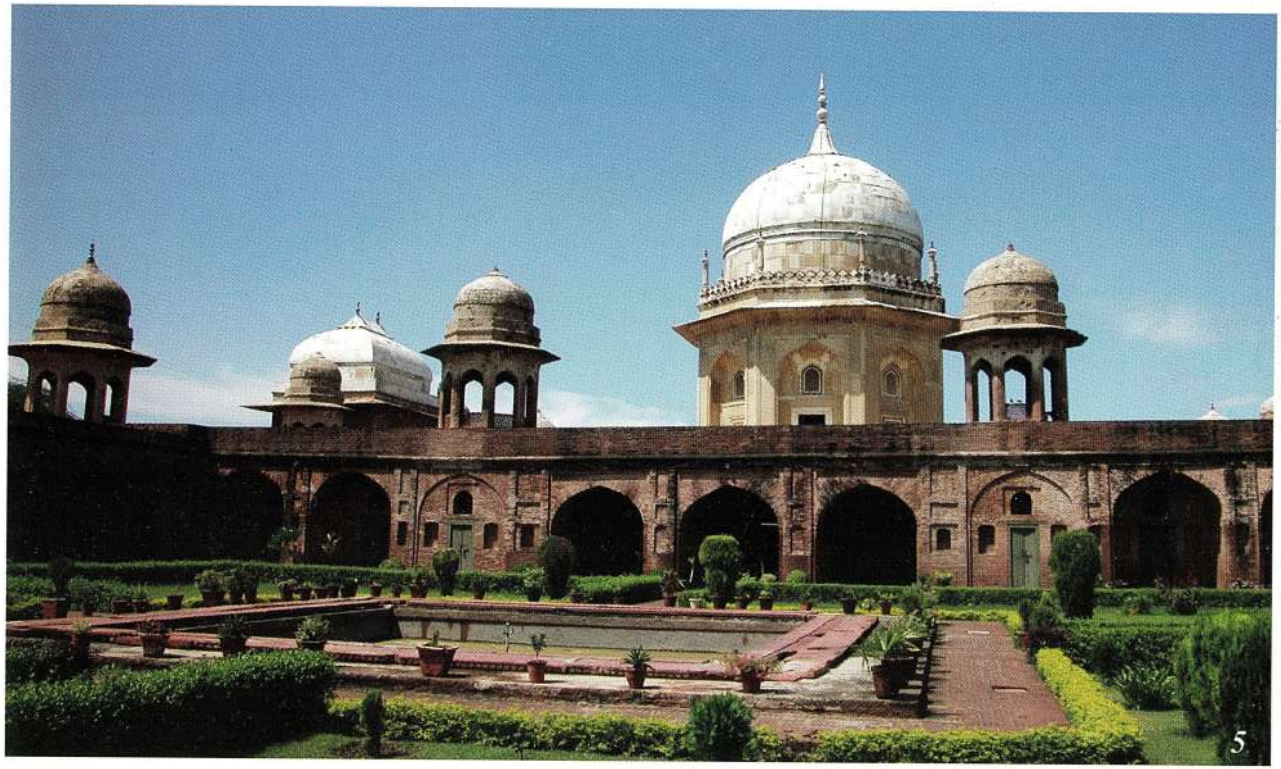
5

6

7

1. *हर्ष की टीला - खुदाई के बाद*
2. *हर्ष के टीले का दूसरा उत्खनन दृश्य*
3. *हर्ष के टीले में चालू खुदाई कार्य*
4. *हर्ष के टीले में मिली पुरातत्वीय वस्तु*
5. *शेख चेहली मकबरा और साथ में उन्नत संग्रहालय तथा दारा-शिकोह पुस्तकालय*
6. *शेरशाह सूरी की सराय - संरक्षण से पूर्व*
7. *शेरशाह सूरी की सराय - संरक्षण के पश्चात*

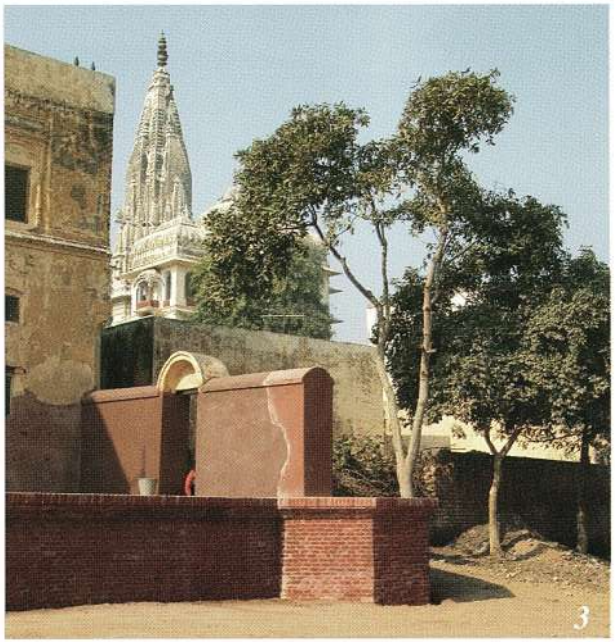

1. पैनोरमा
2. श्रीकृष्ण संग्रहालय
3. लक्ष्मी नारायण मंदिर

पैनोरमा

महाभारत के भयंकर युद्ध के 18 दिनों का सजीव पैनोरमा तथा साथ में जुड़ा विज्ञान केन्द्र भारत की वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी संस्कृति तथा इस क्षेत्र में उसकी वर्तमान उच्च स्थिति का सजीव प्रमाण है।

श्रीकृष्ण संग्रहालय

ब्रह्म सरोवर के पास स्थित यह संग्रहालय श्रीकृष्ण विषय पर अपनी तरह का पहला संग्रहालय है। यहां पर सुन्दर मूर्तियों, चित्रों तथा अन्य कलात्मक वस्तुओं का संग्रह है, जिसमें कांगड़ा लघुचित्र भी शामिल हैं। इस संग्रहालय में पल्लव, चोल तथा नायक काल की अनेक वस्तुएं भी शामिल हैं। इसके प्रवेश द्वार पर नृत्य की मुद्रा में गणेश की भव्य मूर्ति आपका स्वागत करती है।

नाभा हाउस

नाभा के शाही परिवार द्वारा बनावाई गई यह कोठी पूर्णत: जर्जर हाल में थी। इसका व्यापक पुनरुद्धार किया गया है। अब इसे शानदार कला व शिल्प केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

सिख विरासत

सिख विरासत की दृष्टि से कुरुक्षेत्र एक महत्वपूर्ण शहर है। यहां पर अनेक पवित्र गुरुद्वारे हैं। दस में से नौ सिख गुरुओं ने यहां की यात्रा की थी।

अन्य स्थल

यहां पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के अनेक अन्य स्मारक हैं जैसे लक्ष्मी नारायण मंदिर, भद्रकाली, स्थानेश्वर महादेव, कमलनाभि और भीष्म कुंड। पास ही दो अन्य पवित्र शहर हैं - पेहोवा तथा प्रीथुडका। इन सभी स्थानों पर भारी संख्या में तीर्थयात्री आते हैं।

नए महत्वपूर्ण स्थल

कुरुक्षेत्र में अनेक नए महत्वपूर्ण स्थल जोड़े जा रहे हैं। इनमें श्रीकृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ फूड क्राफ्ट एंड होटल मैनेजमेंट,

कल्पना चावला तारामंडल, चार लेन की सड़कें, रेलवे स्टेशन, जिसे उन्नत किया जा रहा है, के पास प्रलेखन व सूचना केन्द्र शामिल हैं।

मेले व उत्सव

गीता जयंती समारोह

कुरुक्षेत्र का महत्व मुख्यतः भगवद् गीता की महान कथा से जुड़ा है और इसकी विशिष्टताओं को उजागर करने के लिए भगवान कृष्ण के उपदेशों का उत्साहपूर्ण मेला आयोजित करने से बेहतर तरीका और क्या हो सकता है। अक्तूबर 2002 में हुए महाभारत उत्सव में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया था।

श्रीमदभगवद् गीता के जन्म का समारोह मनाने के लिए प्रत्येक वर्ष नवम्बर/दिसम्बर में होने वाली गीता जयंती को अब राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इसमें उन अलौकिक क्षणों का प्रदर्शन होता है जिनमें भगवान कृष्ण ने अर्जुन का सारथी बनकर गीता उपदेश दिया - स्वार्थ रहित कर्म, ज्ञान तथा परमपिता परमेश्वर के प्रति निश्चल प्रेम की बात कही। समारोह में सुन्दर चल आरती तथा दीप-दान ब्रह्म सरोवर की शोभा बढ़ाता है। जलकुंड में तैरते दीपक सुन्दर नज़ारा प्रस्तुत करते हैं। भगवद् गीता का पाठ, शोभा-यात्रा, महाभारत महाकाव्य के वृत्तान्तों पर आधारित नृत्य-नाटक, आज के समय में गीता के महत्व पर सेमिनार और निःशुल्क चिकित्सा कैम्प इस उत्सव के अन्य आकर्षण हैं।

शिवरात्रि

भगवान शिव की स्तुति में प्रत्येक वर्ष फरवरी/मार्च में शिवरात्रि का सजीव समारोह आयोजित किया जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार यदि कोई व्यक्ति पूरी रात भगवान शिव के गहन ध्यान में जागा रहता है तो उसे जीवन एवं मृत्यु के चक्र से मोक्ष प्राप्त हो जाता है।

सोमवती अमावस्या

अमावस्या के दौरान अथवा नए चन्द्रमा के पहले दिन ब्रह्म सरोवर तथा सन्निहित सरोवर में काफी चहल-पहल रहती है,

1

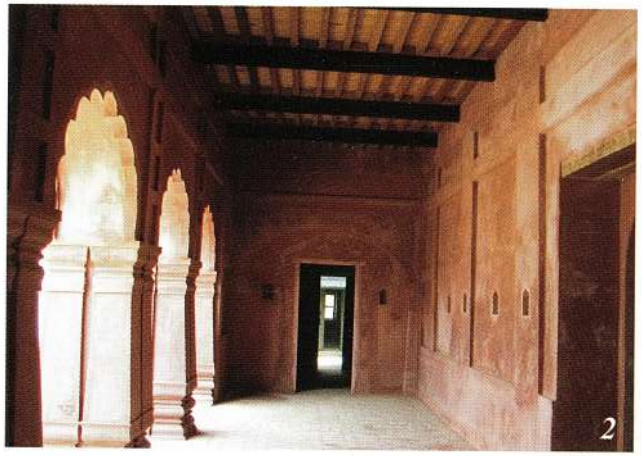

2

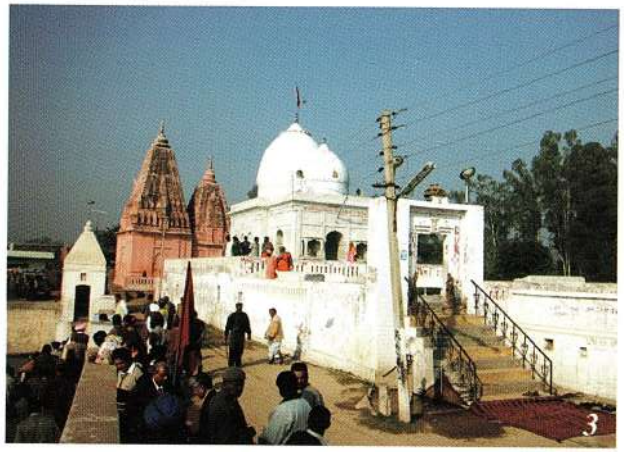

3

1. 'पुनर्जीवित' नाभा हाउस
2. नाभा हाउस का भीतरी दृश्य
3. पेहोवा में मंदिर

जहां पर हज़ारों भक्तगण अपनी शुद्धि के लिए पवित्र जल में स्नान करते हैं।

कुरुक्षेत्र मेला

कुरुक्षेत्र मेले में, जो कि सूर्य-ग्रहण मेले के दौरान आयोजित होता है, भारी संख्या में तीर्थयात्री ब्रह्म सरोवर तथा सन्निहित सरोवर पर एकत्रित होते हैं।

परियोजनाएं

पैनोरमा परियोजना

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद द्वारा प्रबंधित पैनोरमा परियोजना का विषय महाभारत युद्ध है।

विशेष ध्वनि प्रभावों से यह महायुद्ध सजीव हो उठता है। इसके अतिरिक्त एक अन्य आकर्षण है - विज्ञान खंड जिसका मुख्य विषय है प्राचीन भारत की 4500 वर्ष पुरानी वैज्ञानिक पृष्ठभूमि। यह श्रीकृष्ण संग्रहालय के पास स्थित है।

यात्रा सूचनाएं

पहुंच

कुरुक्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग-1 पर दिल्ली-अम्बाला खंड में दिल्ली से 160 कि.मी., चण्डीगढ़ से 112 कि.मी. तथा पिपली से 5 कि.मी. की दूरी पर स्थित है।

वायुमार्ग

निकटतम एयरपोर्ट : दिल्ली एवं चण्डीगढ़। यहां से कुरुक्षेत्र के लिए अच्छे सड़क मार्ग हैं।

रेल मार्ग

निकटतम रेलवे स्टेशन : कुरुक्षेत्र जंक्शन। यह देश के सभी महत्वपूर्ण शहरों तथा कस्बों से अच्छी प्रकार जुड़ा है।

शताब्दी एक्सप्रेस दिल्ली व चण्डीगढ़ से उत्कृष्ट रेल सेवा है।

समय : प्रस्थान - नई दिल्ली : 0740 बजे;
आगमन - कुरुक्षेत्र : 0930 बजे;
प्रस्थान - कुरुक्षेत्र : 0932 बजे;
आगमन - चण्डीगढ़ : 1102 बजे

वापसी यात्रा : प्रस्थान - चण्डीगढ़ : 1820 बजे;
आगमन - कुरुक्षेत्र : 1928 बजे;
प्रस्थान - कुरुक्षेत्र : 1930 बजे;
आगमन - नई दिल्ली : 2140 बजे।

सड़क मार्ग

हरियाणा रोडवेज़ तथा अन्य राज्य निगमों की बसें कुरुक्षेत्र के रास्ते चलती हैं तथा दिल्ली, चण्डीगढ़ तथा अन्य महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ती हैं। टैक्सी सेवा भी उपलब्ध है।

पैकेज टुअर

हरियाणा पर्यटन कुरुक्षेत्र के लिए उत्कृष्ट पैकेज उपलब्ध कराता है यथा दिल्ली-कुरुक्षेत्र-दिल्ली। इस टुअर में डीलक्स बसों से यात्रा, सैर-सपाटा, स्मारक फीस, नाश्ता, दोपहर-भोज, सायंकालीन चाय तथा टुअर एस्कोर्ट शामिल हैं।

स्कूल विद्यार्थियों के लिए चण्डीगढ़ से शैक्षिक पैकेज टुअर उपलब्ध है।

भारत पर्यटन विकास निगम भी दिल्ली से एक-दिवसीय कुरुक्षेत्र पैकेज चलाता है। यात्रा प्रात:काल आरम्भ होती है तथा उसी दिन देर सायं वापस लौटती है।

आवास

हरियाणा पर्यटन कुरुक्षेत्र जिले में निम्नलिखित चार पर्यटक परिसर चलाता है :

- **कृष्ण धाम यात्री निवास**
  कुरुक्षेत्र फोन : 01744-221615
- **ज्योतिसर कॉम्प्लैक्स**
  फोन : 01744-277826
- **अंजान टूरिस्ट कॉम्प्लैक्स**
  पेहोवा फोन : 01741-230150
- **पाराकीत टूरिस्ट कॉम्प्लैक्स**
  पिपली फोन : 01744-230250

यहां पर अनेक मंदिर, धर्मशालाएं और गुरुद्वारे भी आवास सुविधाएं प्रदान करते हैं।

पर्यटकों के लिए सलाह

- कुंड में स्नान करते समय साबुन का प्रयोग न करें।
- मंदिरों, गुरुद्वारों/संग्रहालयों आदि का फोटोग्राफ लेने से पूर्व अनुमति प्राप्त कर लें।
- शहर में इधर-उधर जाने के लिए टैक्सी, रिक्शा या थ्री-व्हीलर किराए पर लिया जा सकता है।
- सार्वजनिक क्षेत्रों पर मांस व शराब का सेवन न करें।
- मंदिर/गुरुद्वारे सामान्यत: दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे तक तथा रात्रि 9 बजे से रात भर बंद रहते हैं।

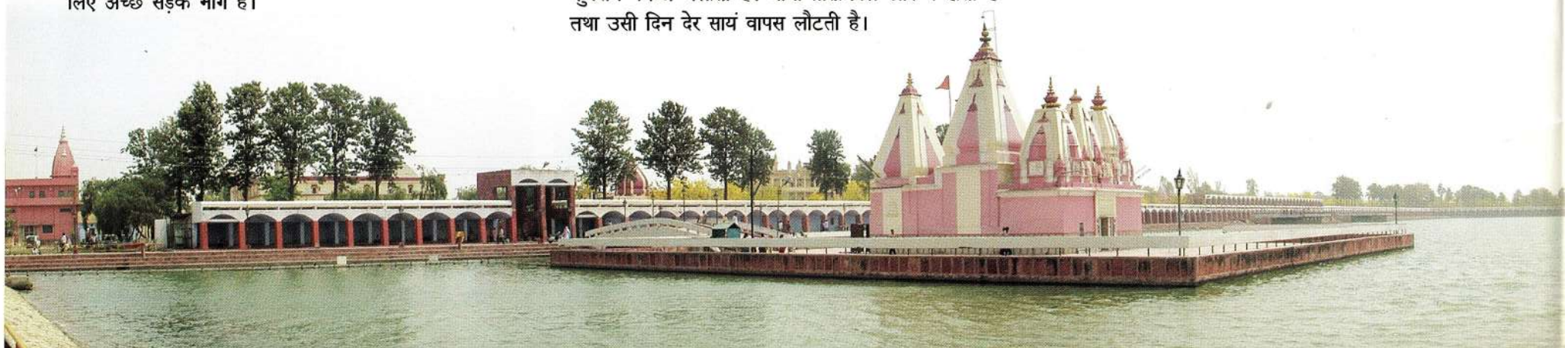

जिस प्रकार का 'केन्द्र' कुरुक्षेत्र में विकसित किया गया है जिससे भारत के एक नए रूप की झलक मिलती है, उसी प्रकार के नए-नए उत्कृष्ट केन्द्र दक्षिण में महाबलिपुरम् से लेकर उत्तर में मार्तण्ड तक और पश्चिम में कुम्भलगढ़ से लेकर पूर्व में कामाख्या तक देश भर में बनाए जा रहे हैं। इन केन्द्रों में न केवल हमारे अतीत, वर्तमान व भविष्य के सूत्र जुड़े हैं अपितु इनसे संस्कृति, पर्यटन व स्वच्छ सामाजिक जीवन के तत्व भी उजागर होते हैं। ये केन्द्र तेज़ी से सतत् आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ देश में एक नवीन जागरुकता के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं। साथ ही, इनसे शासन एवं प्रबंधन की एक ऐसी नवीन शैली राष्ट्र को प्रस्तुत की जा रही है जो सृजनात्मक, रचनात्मक, संकेंद्रित एवं परिणामोन्मुख है।

जगमोहन
संस्कृति व पर्यटन मंत्री

अन्य सूचना

निम्नलिखित पर हरियाणा पर्यटन कार्यालयों से सम्पर्क करें :

चण्डीगढ़
एस सी ओ 17-19, सेक्टर 17बी, चण्डीगढ़-160017
फोन : 0172-2702955-56-57, 2702871, 2704821
फैक्स : 0172-2703185
ई-मेल : htochd@sancharnet.in
वेबसाइट : www.haryanatourism.com

नई दिल्ली
चन्द्रलोक बिल्डिंग
36, जनपथ, नई दिल्ली-110001
फोन : 011-23324910-11 फैक्स : 011-23713373
ई-मेल : delhioffice@haryanatourism.com *अथवा*
haryanatourism@hotmail.com

कुरुक्षेत्र
पर्यटक सूचना केन्द्र
पाराकीत पर्यटक कॉम्प्लैक्स, जी टी रोड, पिपली
जिला कुरुक्षेत्र फोन : 01744-230250

सूर्य-ग्रहण उत्सव

कुरुक्षेत्र अति प्राचीन काल से देश के चारों दिशाओं से आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए मोक्ष (मुक्ति) के निमित्त शुद्धिकरण समारोह का स्थल रहा है। प्राचीन हिन्दू ग्रन्थों, मत्स्य पुराण तथा पद्म पुराण के अनुसार यदि कोई व्यक्ति सूर्य-ग्रहण के अवसर पर कुरुक्षेत्र के पवित्र सरोवरों में स्नान करता है तो उसे हज़ारों अश्वमेध यज्ञों का पुण्य प्राप्त होता है। इन महत्वपूर्ण अवसरों में प्रमुख है : सोमवती अमावस्या (सोमवार को पड़ने वाला नए चन्द्रमा का प्रथम दिन) और सूर्य-ग्रहण (नए चन्द्र दिवस को, जब चन्द्रमा सूर्य तथा पृथ्वी के मध्य में आ जाता है जिससे सूर्य-ग्रहण लगता है)। ब्रह्म सरोवर व सन्निहित सरोवर पावन शुद्धिकरण समारोहों के प्रमुख केन्द्र हैं।

कुरुक्षेत्र में सूर्य-ग्रहण का प्रारंभिक उल्लेख हिन्दू महाकाव्य महाभारत में मिलता है जिसमें सूर्य-ग्रहण के दौरान तीर्थयात्रियों द्वारा कुरुक्षेत्र में पवित्र स्नान का उल्लेख है। महाभारत के वन पर्व तथा उद्योग पर्व में भी इसके अन्यत्र सन्दर्भ मिलते हैं। भगवद् पुराण में सूर्य-ग्रहण के अवसर पर भगवान कृष्ण की कुरुक्षेत्र-यात्रा पर एक अलग अध्याय है।

यह विश्वास किया जाता है कि मुगल सम्राट अकबर ने भी सन् 1567 में सूर्य-ग्रहण के दौरान अपने दरबार के इतिहासकार अबुल फज़ल के साथ कुरुक्षेत्र की यात्रा की थी। अबुल फज़ल ने अकबरनामा में कुरुक्षेत्र में ग्रहण का तथा ब्रह्म सरोवर में स्नान करने वाले तीर्थयात्रियों का उल्लेख किया है। मुगल सम्राट शाहजहां के युग में फ्रांसिसी पर्यटक फ्रैंकॉयस बर्नियर ने भी सूर्य-ग्रहण के अवसर पर सिंधु, गंगा तथा थानेश्वर (कुरुक्षेत्र) के पावन सरोवरों में पवित्र स्नान का उल्लेख किया है।

31 मई, 2003 को हुए सूर्य-ग्रहण के अवसर पर भारत और विदेशों से लाखों तीर्थयात्री कुरुक्षेत्र में इन सरोवरों में पवित्र स्नान के लिए एकत्रित हुए।

ब्रह्म सरोवर का विहंगम दृश्य

कह रही गीता युगों से

है कठिन संग्राम जीवन

कामना से मुक्त होकर

उसे अर्पित करो तन-मन

कर्म पथ पर जो चलेगा

उसी से जीवन सधेगा

धर्म होगा साथ उसके

मोक्ष भी उसको मिलेगा

विजय उसको ही मिलेगी

जो करे निष्काम साधन

कह रही गीता युगों से

है कठिन संग्राम जीवन

Notes

भारतपर्यटन – घरेलू कार्यालय

आगरा (उत्तर प्रदेश)
191, द माल, आगरा 282001
उत्तर प्रदेश
फोन : 0562-2226378, 2262461
टेलीफैक्स : 0562-2226368
ई-मेल : goitoagr@sancharnet.in

औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
'कृष्णा विलास', स्टेशन रोड
औरंगाबाद 431005 महाराष्ट्र
टेलीफैक्स : 0240-2331217
ई-मेल : indiatourism@sancharnet.in

बेंगलूर (कर्नाटक)
के एफ सी बिल्डिंग, 48 चर्च स्ट्रीट
बेंगलूर 560001
कर्नाटक
फैक्स : 080-5585417
ई-मेल : indtour@kar.nic.in

भुवनेश्वर (उड़ीसा)
बी/21, बी जे बी नगर
भुवनेश्वर 751014 उड़ीसा
फोन : 0674-2432203, 2435487
ई-मेल : itobbs@ori.nic.in

चेन्नई (तमिलनाडु)
154, अन्ना सलाई
चेन्नई 600002 तमिलनाडु
फोन : 044-28461459, 28460285
टेलीफैक्स : 044-28460193
ई-मेल : indtour@vsnl.com
goitochn@tn.nic.in

घरेलू एअरपोर्ट काउन्टर
फोन : 044-22560386

गुवाहाटी (असम)
जी एल पब्लिकेशन कॉम्प्लैक्स
जी एस रोड, गुवाहाटी 781007
असम
टेलीफैक्स : 0361-2547407
ई-मेल : indtour@asm.nic.in

हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
3-60-140, द्वितीय तल, नेताजी भवन
लिबर्टी रोड, हिमायत नगर
हैदराबाद 500029 आन्ध्र प्रदेश
फोन : 040-23261360/3, 23260770
फैक्स : 040-23261362
ई-मेल : indtour@hd2.dot.net.in

इम्फाल (मणिपुर)
पुरानी लम्बू लेन, जेल रोड
इम्फाल 795001
मणिपुर
टेलीफैक्स : 03852-221131

जयपुर (राजस्थान)
स्टेट होटल, खासा कोठी
जयपुर 302001 राजस्थान
टेलीफैक्स : 0141-2372200
ई-मेल : indtourjpr@raj.nic.in

खजुराहो (मध्य प्रदेश)
वेस्टर्न ग्रुप ऑफ टेम्पल्स के समीप
खजुराहो 471606
मध्य प्रदेश
फोन : 07686-42347
फैक्स : 07686-42348
ई-मेल : goito@sancharnet.in

कोची (केरल)
विलिंग्डन द्वीप
कोची 682009 केरल
टेलीफैक्स : 0484-2668352, 2669125
ई-मेल : indtourismkochi@sify.com

कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
'एम्बेसी', 4 शेक्सपीयर सरानी
कोलकाता 700071 पश्चिम बंगाल
फोन : 033-22821402, 22821475
टेलीफैक्स : 033-22823521
ई-मेल : indtour@cal2.vsnl.net.in

घरेलू एअरपोर्ट काउन्टर
फोन : 033-25118299

मुम्बई (महाराष्ट्र)
123, एम कार्वे रोड
चर्च गेट के सामने
मुम्बई 400020 महाराष्ट्र
फोन : 022-22033144/5, 22074333/4
फैक्स : 022-22014496
ई-मेल : indiatourism@vsnl.com

घरेलू एअरपोर्ट काउन्टर
फोन : 022-26156920
अंतर्राष्ट्रीय एअरपोर्ट काउन्टर
फोन : 022-28325331

नाहरलगुन (अरुणाचल प्रदेश)
सी-सेक्टर, बारापाणी पोलिस प्वाइंट
नाहरलगुन 791110 अरुणाचल प्रदेश
फोन : 0360-2244328

नई दिल्ली (दिल्ली)
88, जनपथ, नई दिल्ली 110001
फोन : 011-23320342, 23320005, 23320008
फैक्स : 011-23320109
ई-मेल : goitodelhi@tourism.nic.in

घरेलू एअरपोर्ट काउन्टर
फोन : 011-25675296
अंतर्राष्ट्रीय एअरपोर्ट काउन्टर
फोन : 011-25691171

पणजी (गोवा)
कम्यूनिडेड बिल्डिंग
चर्च स्क्वेयर, पणजी 403001 गोवा
फोन : 0832-2223412
ई-मेल : goitogoa@goatelecom.com

पटना (बिहार)
सुदामा पैलेस, कंकर बाग रोड
पटना 800020 बिहार
टेलीफैक्स : 0612-2345776
ई-मेल : goitopat@bih.nic.in

पोर्ट ब्लेयर (अंडमान व निकोबार)
बी आई पी रोड, 189, द्वितीय तल
जंगलीघाट, पो.ऑ. पोर्ट ब्लेयर 744103
अंडमान व निकोबार द्वीप समूह
टैलीफैक्स : 03192-233006
ई-मेल : goitopb@hotmail.com
tourism_nk@rediffmail.com

शिलॉंग (मेघालय)
टीरोट सिंह सेयलम रोड, पोलिस बाज़ार
शिलॉंग 793001
मेघालय
टैलीफैक्स : 0364-225632
ई-मेल : goitoslg@shillong.meg.nic.in

तिरूवनंतापुरम (केरल)
एयरपोर्ट काउंटर
तिरूवनंतापुरम
केरल
फोन : 0471-2451498
ई-मेल : goitotvm@md5.vsnl.net.in

वाराणसी (उत्तर प्रदेश)
15-बी, द माल, वाराणसी 221002
उत्तर प्रदेश
टैलीफैक्स : 0542-2343744
ई-मेल : goitovns@satyam.net.in

भारतपर्यटन – विदेश स्थित कार्यालय

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया)
लेवल 2, पिकाडली, 210
पिट्ट स्ट्रीट, सिडनी, न्यू साउथ वेल्स - 2000
फोन : 0011-61-2-92644855
फैक्स : 0011-61-2-92644860
ई-मेल : gitosyd@nextcentury.com.au

टोरन्टो (कनाडा)
60, बलूर स्ट्रीट, वेस्ट स्वीट 1003
टोरन्टो, एम4 डब्ल्यू3, बी8, कनाडा
फोन : 001-416-962-3787/3788
फैक्स : 001-416-962-6279
ई-मेल : indiatourism@bellnet.ca

पेरिस (फ्रांस)
11-13, बिस बुलेवर्ड हॉसमैन्न
एफ-75009 पेरिस, फ्रांस
फोन : 00331-145233045
फैक्स : 00331-45233345
ई-मेल : indtourparis@aol.com

फ्रैंकफर्ट (जर्मनी) – क्षेत्रीय कार्यालय
बसोलर स्ट्रॉस 48, डी-60329
फ्रैंकफर्ट, ए एम-मेन 1
फेडेरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी
फोन : 00-49-69-2429490, 24294927
फैक्स : 00-49-69-24294977
ई-मेल : info@india-tourism.com

मिलान (इटली)
वाया-अलब्रिकी 9, मिलान 20122 इटली
फोन : 0039-2-8053506
फैक्स : 0039-2-72021681
ई-मेल : info@indiatourismmilan.com
raj_mittal@indiatourismmilan.com

टोकियो (जापान) – क्षेत्रीय कार्यालय
बी9एफ शियोदा बिल्डिंग, 6-5-12 गिंज़ा
शुयो-कू-टोकियो 104-0061 जापान
फोन : 0081-03-3571-5062/3
0081-03-3571-5196/7
फैक्स : 0081-03-3571-5235
ई-मेल : indtourt@smile.ocn.ne.jp

एम्सट्रडम (नीदरलैंड्स)
रॉकिन 9-15, 1012 के.के. एम्सट्रडम
फोन : 0031-20-6208991
फैक्स : 0031-20-6383059
ई-मेल : info.nl@india-tourism.com
director.nl@india-tourism.com

सिंगापुर
20, क्रामात लेन
01-01ए, यूनाइटिड हाउस
सिंगापुर 228773
फोन : 0065-6235-3800
फैक्स : 0065-6235-8677
ई-मेल : indtour.sing@pacific.net.sg

जॉहानसबर्ग (दक्षिण अफ़्रीका)
पो.ऑ. बॉक्स 412452
क्रेग हॉल 2024, जॉहानसबर्ग-2000
दक्षिण अफ़्रीका
फोन : 0027-11-3250880
फैक्स : 0027-11-3250882
ई-मेल : goito@global.co.za

दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) – क्षेत्रीय कार्यालय
पोस्ट बॉक्स 12856
एन ए एस ए बिल्डिंग
अल मक्तूम रोड, डेरा
दुबई, संयुक्त अरब अमीरात
फोन : 00-971-4-2274848, 2274199
फैक्स : 00-971-4-2274013
ई-मेल : goirto@emirates.net.ae

लन्दन (यूनाईटिड किंगडम)
7, कॉर्क स्ट्रीट
लन्दन डब्ल्यू आई एस 3 एल एच
उनाईटिड किंगडम
फोन : 00-44-207-4373677
00-44-207-7346613
फैक्स : 00-44-207-4941048
ई-मेल : info@indiatouristoffice.org

लॉस एन्जेलस (संयुक्त राज्य अमरीका)
3 550, विल्शायर बुलेवर्ड
कमरा 204, लॉस एन्जेलस
कैलीफोरनिया 90010 2485 संयुक्त राज्य अमरीका
फोन : 001-213-380-8855
फैक्स : 001-213-380-6111
ई-मेल : goitola@aol.com

न्यूयार्क (संयुक्त राज्य अमरीका)
क्षेत्रीय कार्यालय
1270, एवेन्यू ऑफ द अमेरिकास
स्वीट 1800, 18वां तल
न्यूयार्क 10020-1700 संयुक्त राज्य अमरीका
फोन : 001-212-586-4901/2/3
फैक्स : 001-212-582-3274
ई-मेल : ny@itonyc.com

कुरुक्षेत्र का स्थल नक्शा (पैमाना नहीं)

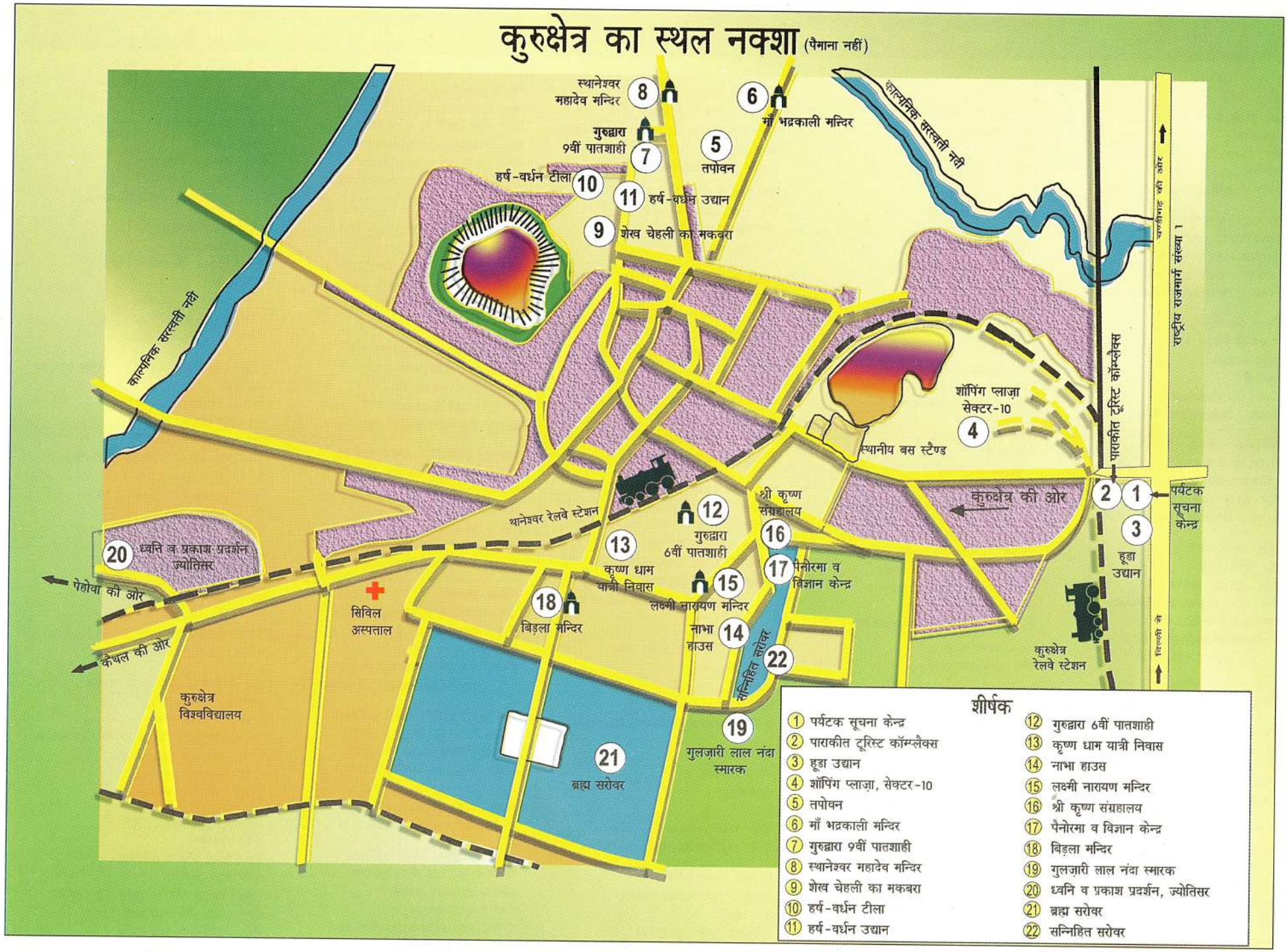

शीर्षक

1. पर्यटक सूचना केन्द्र
2. पाराकीत टूरिस्ट कॉम्प्लैक्स
3. हूडा उद्यान
4. शॉपिंग प्लाज़ा, सेक्टर-10
5. तपोवन
6. माँ भद्रकाली मन्दिर
7. गुरुद्वारा 9वीं पातशाही
8. स्थानेश्वर महादेव मन्दिर
9. शेख चेहली का मकबरा
10. हर्ष-वर्धन टीला
11. हर्ष-वर्धन उद्यान
12. गुरुद्वारा 6वीं पातशाही
13. कृष्ण धाम यात्री निवास
14. नाभा हाउस
15. लक्ष्मी नारायण मन्दिर
16. श्री कृष्ण संग्रहालय
17. पैनोरमा व विज्ञान केन्द्र
18. बिड़ला मन्दिर
19. गुलज़ारी लाल नंदा स्मारक
20. ध्वनि व प्रकाश प्रदर्शन, ज्योतिसर
21. ब्रह्म सरोवर
22. सन्निहित सरोवर

उत्कृष्ट स्थल : पर्यटन गन्तव्य

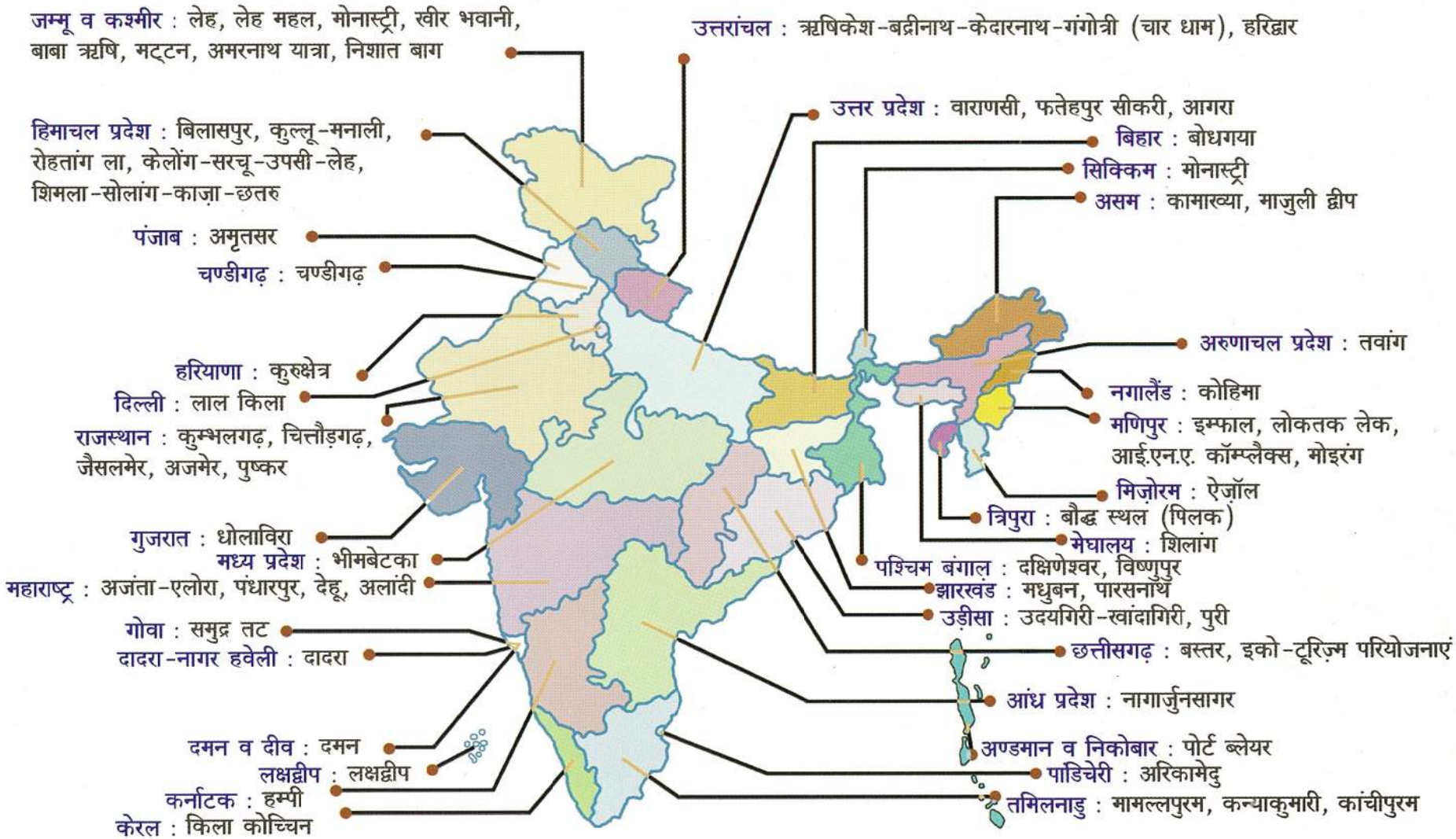

पर्यटन विभाग, भारत सरकार के लिए अशोक सर्जक, भारत पर्यटन विकास निगम, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत तथा तरूण ऑफसेट प्रिंटर्स, नई दिल्ली-110064 द्वारा मुद्रित।

जब निराशा मेरे चेहरे पर स्पष्टतः झलकती है और नितान्त अकेले मुझे आशा की कोई किरण नज़र नहीं आती है तब भगवद् गीता की शरण में चला जाता हूं। मैं यहां-वहां उसके श्लोकों का अवलोकन करता हूं और भारी त्रासदियों के बीच तत्क्षण ही मुस्कराना शुरू कर देता हूं। मेरा जीवन निरन्तर त्रासदियों से भरा रहा है और यदि इन त्रासदियों ने मुझ पर कोई सुस्पष्ट और अमिट निशान नहीं छोड़ा है तो मैं इन सब के लिए भगवद् गीता के उपदेशों का आभारी हूं।

महात्मा गांधी

भारतपर्यटन